भारत सरकार

शिक्षा मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.-2350

उत्तर देने की तारीख-15.12.2025

राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) का पुनर्गठन

2350. **श्री चन्द्र प्रकाश चौधरी:**

क्या **शिक्षा** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे की:

(क) राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) के पुनर्गठन की स्थिति क्या है और सरकार द्वारा नई प्रौद्योगिकी-आधारित डिजी-एग्जाम प्रणाली को विगत कुप्रबंधन और सुरक्षा उल्लंघनों के विरुद्ध सुदृढ़ बनाने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं;

(ख) समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन, आकलन, समीक्षा और विश्लेषण (परख) नई मूल्यांकन विधियों को मानकीकृत करने के लिए किस प्रकार कार्य कर रहा है और कक्षा 3, 5 और 8 के लिए परख ढाँचे के कब तक लागू होने की संभावना है;

(ग) एनटीए में दस अतिरिक्त पदों के सृजन के क्या कारण हैं;

(घ) क्या सरकार कोचिंग सेंटरों पर छात्रों की निर्भरता कम करने के लिए सरकार द्वारा जारी किए गए सार्वजनिक वक्तव्यों की प्रभावकारिता की निगरानी कर रही है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) पुनः डिज़ाइन की गई बोर्ड परीक्षाओं और पाठ्यक्रम से कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता किस प्रकार कम होने की आशा है?

उत्तर

शिक्षा मंत्रालय में राज्य मंत्री

(डॉ. सुकान्त मजूमदार)

(क) से (ङ) राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की स्थापना वर्ष 2018 में उच्चतर शिक्षा संस्थाओं में प्रवेश/अध्येतावृत्ति हेतु परीक्षाओं का आयोजन करने के लिए एक विशेष संगठन के रूप में की गई थी। वर्ष 2018 में अपनी स्थापना के बाद से, एनटीए ने 5.5 करोड़ से अधिक उम्मीदवारों के लिए 250 से अधिक परीक्षाएं सफलतापूर्वक आयोजित की हैं।

एनटीए द्वारा परीक्षाओं के पारदर्शी, सुचारू और निष्पक्ष संचालन को सुनिश्चित करने के लिए, शिक्षा मंत्रालय ने दिनांक 22.06.2024 को विशेषज्ञों की एक उच्च-स्तरीय समिति (एचएलसीई) का गठन किया। समिति ने राज्यों के साथ संस्थागत संबंध, ज्ञान और परीक्षा भागीदार के रूप में टेस्ट इंडेंटिंग एजेंसियों की सहभागिता, विभिन्न स्तरों पर उम्मीदवारों के

प्रमाणीकरण आदि सहित कई उपायों के माध्यम से भारत में राष्ट्रीय सामान्य प्रवेश परीक्षा के सुधार के संबंध में दिनांक 21.10.2024 को अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत कर दी है।

एनटीए द्वारा राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं के आयोजन में सुधारों के कार्यान्वयन की निगरानी करने के लिए डॉ. के. राधाकृष्णन, पूर्व अध्यक्ष, इसरो की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय संचालन समिति पहले ही गठित की जा चुकी है।

एनटीए को सुदृढ़ बनाने के लिए, परीक्षाओं का सुचारू और निष्पक्ष आयोजन सुनिश्चित करने के लिए एनटीए में 16 नवीन पद सृजित किये गये हैं, जिनमें से निदेशक और संयुक्त निदेशक स्तर पर प्रत्येक के लिए 8 पद हैं।

एनईपी 2020 की सिफारिश के अनुसरण में, राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र, परख (समग्र विकास के लिए ज्ञान का प्रदर्शन मूल्यांकन, समीक्षा और विश्लेषण) की स्थापना दिनांक 8 फरवरी, 2023 को शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) के तहत की गई थी।

सतत प्रारंभिक आकलन की दिशा में बदलाव लाने के अपने अधिदेश के भाग के रूप में, राष्ट्रीय मूल्यांकन केंद्र - परख ने एनईपी, 2020 में परिकल्पित स्कूल शिक्षा के चार चरणों नामतः बुनियादी, प्रारंभिक, मिडिल और माध्यमिक चरण में समग्र प्रगति कार्ड की अवधारणा और विकास किया है, जो (https://ncert.nic.in/parakh/hpc.php?ln=) पर उपलब्ध है।

समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) का उद्देश्य रटने की प्रवृत्ति से अलग योग्यता-आधारित और रचनात्मक मूल्यांकन पर ध्यान केंद्रित करना है। यह गुणवत्तापूर्ण और मात्रात्मक संकेतकों के माध्यम से संज्ञानात्मक, सामाजिक-भावनात्मक और शारीरिक विकास को शामिल करते हुए शिक्षार्थियों की बहुआयामी प्रगति को प्रस्तुत करता है।

32 राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों ने शिक्षा के बुनियादी, प्रारंभिक और मिडिल चरणों में एचपीसी को अपनाया है।

शिक्षा मंत्रालय ने आईआईटी कानपुर के सहयोग से जेईई, एनईईटी,सीयूईटी जैसी प्रतियोगी परीक्षाओं और अन्य परीक्षाओं में भाग लेने के इच्छुक विद्यार्थियों को निःशुल्क गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्रदान करने के लिए साथी (स्व-मूल्यांकन, परीक्षण और प्रवेश परीक्षा सहायता) पोर्टल शुरू किया है। इस प्लेटफॉर्म पर 17 लाख से अधिक शिक्षार्थी पंजीकृत हैं और 400 परामर्शदाता उपलब्ध हैं।

शिक्षा मंत्रालय ने कोचिंग केंद्रों के विनियमन संबंधी दिशानिर्देश तैयार किए हैं और उचित विधिक फ्रेमवर्क के माध्यम से विचार करने और कार्रवाई करने हेतु दिनांक 16.01.2024 को राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को परिचालित किए हैं। ये दिशानिर्देश निम्नलिखित वेबसाइट पर उपलब्ध हैं:
https://www.education.gov.in/sites/upload_files/mhrd/files/Guideliens_Coaching_Centres_en.pdf

*****